

20⁰⁶/₂₄ - वकील वादी उपस्थित नहीं। वादी
व्यंग भी उपस्थित नहीं। इसकी अनुपस्थिति
बावजूद कोई कारण भी पेश नहीं हुआ।
आर. वार. आवाज लगावाई गई। अतः
यह बाद-पशु अदम पेशी अदम शपती
में स्थापित किया जाता है।

प्रावली निधि में सुमार
की जाकर नम्बर से काम हो चुका
दरतीव वकमिल होकर दारिजल दफ्तर
हो। ९